nt>

Title: Need to provide free vocational training to the unemployed youths belonging to SC/ST/OBC.

श्री पुन्नू लाल मोहले (बिलासपुर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आदिमजाति कल्याण विभाग द्वारा शिक्षित बेरोजगार आदिवासियों को 350 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से 5 ट्रेनिंग दी जाती हैं। मोटर-साईकिल, रेडियो, कम्प्यूटर, लाइन-विद्युत सुधार और टीवी बनाने के लिए ट्रेनिंग दी जाती हैं। उसमें 350 रुपये का स्टाईपेंड भी दिया जाता है। यह प्रतिदिन 12 रुपये से भी कम पड़ता है। ऐसी स्थिति में अनुसूचित जाति के लोग कैसे काम करेंगे। एक जगह केवल 5 ट्रेड की ट्रेनिंग जी रही है जबकि 10-10 ट्रेड एक जिले में पड़ते हैं। विलासपुर जिले के रत्नपुर में एक ट्रेड में ट्रेनिंग दी जा रही है और केवल 10 लोगों को ट्रेनिंग दी जाती है जोकि नगण्य है। इसलिए उनकी संख्या तथा स्टाईपेंड बढ़ाया जाए। अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के साथ ही पिछड़े वर्ग के लोगों को भी उसमें शामिल किया जाए। इससे लोगों में समन्वय की स्थिति बढ़ेगी और जाति की भावना भी नहीं आयेगी। ऐसी परिस्थिति में ट्रेनिंग देने वाले लोगों की संख्या को बढ़ाया जाए। इस संख्या को 50 से बढ़ा कर कम से कम सौ किया जाए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को ट्रेनिंग दी जाए, स्टाइपंड की राशि हजार रुपए की जाए तथा पीने के पानी और आवास की व्यवस्था की जाए। लोगों को ट्रेनिंग तो दी जाती है लेकिन ट्रेनिंग के बाद उद्योग-धंधे लगाने के लिए ऋण नहीं दिया जाता है। उन्हें ऋण उपलब्ध कराया जाए जिन से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।